

बाबा की दया से म्हारे ढोल बज गये

बाबा की दया से म्हारे ढोल बज गये,
कोठी बंगले तो अनमोल सजगे.....

मेंहदीपुर का स धाम निराला,
किस्मत का यो खोल: र ताला,
घाटे आले बाबा म्हारे मन रजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजगे.....

बालाजी ने रे मेहर फिराई,
दिल से सवामणी मन्ने लाई,
कुणबे के लोग बुराई तजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजगे.....

पहले मेरा जीवन बड़ा ही अजीब था,
काम करया टुट क पर रहता गरीब था,
माड़ा सा नसीब था कर्म चढ़गे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजगे.....

श्यामड़ी आले जपै नाम अनमोल है,
बल्लू ठेकेदार रट: हृदय के पट खोल है,
कौशिक जी तो दिल तं भजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजग,
बाबा की दया ते महार: ढोल बजगे,
कोठी बंगले तो अनमोल सजगे.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/32261/title/baba-ki-dya-se-mhare-dhol-baj-gaye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |